Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,
बीकानेर - 334 006

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

डा. नरेन्द्र कुमार पारीक
तकनीकी अधिकारी

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./17/ दिनांक **16.03.2018**

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 17 मार्च 2018 से 21 मार्च 2018 तक

मौसमपूर्वानुमानः भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

मौसमकारक		दिनांक				
		17.03.2018	18.03.2018	19.03.2018	20.03.2018	21.03.2018
1.	वर्षा	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
2.	आसमान में बादलो की स्थिति	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	आंशिक बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल
3.	तपमान में वृद्वि / कमी					
	अधिकतम	**35**	**35**	**36**	**36**	**37**
	न्यूनतम	**18**	**19**	**19**	**18**	**18**
4.	वायुदिशा	पूर्वी	पूर्वी	पूर्वी दक्षिणी पूर्वी	पूर्वी दक्षिणी पूर्वी	पूर्वी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	**76**	**75**	**74**	**75**	**74**
	न्यूनतम	**13**	**12**	**12**	**11**	**11**
6.	औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**7**	**5**	**4**	**7**	**7**
7	कुलवर्षा	**00.00**				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में दिन व रात के तापमान हल्की वृद्धि होने, मध्यम आपेक्षिक आर्द्रता के साथ कम गति की हवाएँ चलने, आसमान मे हल्के बादल छाये रहने और वर्षा नहीं होने की संभावना है।**
- समय पर बोई गयी सरसों पकाव की और है। अतः जब फलिया पीली पड़ने लग जाए कटाई शुरू कर देवे ।
- तापमान के अधिक होने के कारण पकाव की अवस्था वाली फसलों मे जल मांग बढ़ सकती है। अत जल मांग दर्शाने वाली फसलों मे आवश्यकतानुसार सिंचाई करे। इससे न केवल फसल की अवधि में बढोत्तरी होगी साथ ही अधिक तापमान के कारन होने वाले शीघ्र पकाव को भी कुछ टाला जा सकेगा.
- समय पर बोये गई गेहूँ की फसल में बुवाई के 100 - 105 दिन बाद पौधो में दाना पकते समय छठी सिंचाई देवें, जौ में 100 से 110 दिन बाद तीसरी सिंचाई दे ।
- देरी से बोई गई गेहूँ की फसल में बुवाई के 90 से 95 दिन बाद पौधो में दानो की दूधिया अवस्था पर पाँचवी सिंचाई देवें।
- फलदार वृक्षों में सिंचाई करें और सिंचाई के साथ अनुसंशित मात्रा में खाद और उर्वरक का प्रयोग भी करें.
- दीमक का प्रकोप होने पर प्रभावित क्षेत्रो में 2400 मि.ली. क्लोरीपायरीफॉस (20 ई.सी.) को प्रति है की दर से सिचाई के साथ प्रयोग करें ।
- पशुओ को बाहय परजीवियो से बचाने के लिए पशुचिकित्सक की सलाह के अनुसार उपयुक्त दवाई का छिड़काव नियमित करे। पशुओ को संक्रामक रोगो के रोगरोधी टीके समय - समय अवश्य लगवाये ।
- गर्मियों में हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ज्वार एवं बाजरा की बुवाई करें।
- इस मौसम मे भेड व बकरी मे फडक्या एव टि पी आर और मुर्गीयो सी आर डी एव रानीखेत मे होने की संभावना है। इससे बचाव के लिए पशु चिकित्सक से मिलकर उचित टीके लगवाये ।